Literacy for a Billion

Movie: Amne Samne
Year: 1967

Song: Kabhi Raat Din Hum Door The
Lyricist: Anand Bakshi

कभी रात दिन हम दूर थे
दिन रात का अब साथ है
कभी रात दिन हम दूर थे
दिन रात का अब साथ है

वो भी इतफाक की बात थी
ऐ भी इतफाक की बात है
वो भी इतफाक की बात थी
ऐ भी इतफाक की बात है

कभी रात दिन हम दूर थे
तेरी आँख में है खुमार सा
मेरी गाल में है सुरूर सा
ये बहार तुझे है पिए हुए
ये समा नशे में है चूर सा
ये समा नशे में है चूर सा

कभी इन फिजाओं में प्यास थी
अब इनमें बरसात है
मुझे तुमने जैसे बदल दिया
हैरान मैं इस बात पर
मेरा दिल धड़कता है आज-कल
तेरी खौफ नजरों से पूछकर
मेरी साँस अभी मेरे बस में थी
अब जिंदगी तेरे हाथ है

वो भी एतफाक की बात थी
ऐ भी एतफाक की बात है
कभी रात दिन हम दूर थे
दिन रात का अब साथ है

यूँ ही आज तक रहे हम जुदा
तुम्हें क्या मिला हमें क्या मिला
यूँ ही आज तक रहे हम जुदा
तुम्हें क्या मिला हमें क्या मिला

कभी तुम खफा कभी हम खफा
कभी ये गिला कभी वो गिला

कितने बुरे थे वो दिन सनम
कितनी हँसी ये रात है
मुझे तुमने जैसे बदल दिया हैरान मैं इस
बात पर

मेरा दिल धड़कता है आज-कल
तेरी खौफ नजरों से पूछकर
मेरी साँस अभी मेरे बस में थी
अब जिंदगी तेरे हाथ है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.